Phool Singh
Associate Professor
Department of Mathematics
School of Engineering & Technology
Central University of Haryana, Mahendergarh 123031
phoolsingh@cuh.ac.in
Room No.: 111

Dr. Phool Singh received his PhD in Mathematics from Banasthali University in the area of Computational Fluid Dynamics, and MPhil, MSc and BSc from Maharshi Dayanand University, Rohtak. He has been working in Central University of Haryana as Associate Professor of Mathematics under the School of Engineering and Technology. Earlier, Dr Singh has served Avvaiyar Government College for Women, Karaikal, Puducherry and The NorthCap University Gurugram as Assistant Professor of Mathematics. In 2006, he qualified CSIR-NET, and GATE with all India rank 23. He is an active researcher, and published more than 30 research papers in international journals of repute and edited two conference proceedings. He has diverse research interests encompassing optical image processing, computational neuroscience and computational fluid dynamics and promotes open source softwares like scilab, octave, open foam, python. He has also worked as principal investigator in a project (Parkinson's disease) funded by Cognitive Science Research Initiative (CSRI-DST).

डॉ फूल सिंह ने बनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान, से गणित में विद्यावाचस्पति तथा महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक से दर्शन- निष्णात, विज्ञान-निष्णात और विज्ञान-स्नातक की उपाधियाँ प्राप्त कीं। 2006 में, डॉ. फूल सिंह ने वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.)-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा तथा सम्पूर्ण भारत में 23 स्थान पर रहकर अभियांत्रिकी में स्नातक उपयुक्तता परीक्षा में अर्हता प्राप्त की। डॉ. सिंह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यालय के गणित विज्ञान विभाग में सह- आचार्य के पद पर 2018 से कार्यरत है। इससे पूर्व, डॉ. फूल सिंह, अवेय्यायर गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन, कराइकल, पुडुचेरी तथा नॉर्थ केप विश्वविद्यालय गुडगांव (भूतपूर्व आइ.टी.एम. विश्वविद्यालय) के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग में गणित के एक सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्य किया। डॉ सिंह एक सक्रिय शोधकर्ता है और उन्होने अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 30 शोध पत्र प्रकाशित किये हैं तथा दो सम्मेलन कृतियो का संपादन किया है। डॉ. सिंह मृदु गणना, अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी, तंत्रिका विज्ञान, छवि प्रक्रमण मे अनुसंधान कर रहे हैं तथा साइलैब, फ़यटों, ओपन फोम, ऑक्टेव आदि सार्वजनिक स्रोत क्रमानुदेश को बढ़ावा देने में रूचि रखते है। डॉ सिंह संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सी.एस.आर.आइ.)-विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) की एक परियोजना (पार्किंसंस रोग की उत्पति) पर भी कार्य किया हैं।